7. शमशेर प्रेम और सौदर्य के कवि हैं, क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

8. 'असिद्ध की व्यथा' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

9. वीरेन्द्र मिश्र के गीतों की संवेदना के विविध स्तरों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. आधुनिक गीत परम्परा के विकास में गोपालदास नीरज के योगदान को रेखांकित कीजिए।

11. सिद्ध कीजिए धर्मवीर भारती के काव्य में रोमानी भावबोध के साथ-साथ समाज-बोध भी व्यक्त हुआ है, और वे आधुनिक बोध के पर्याप्त निकट हैं।

12. अशोक बाजपेयी की कविताओं में बिम्ब-विधान एवं शिल्पगत प्रयोगों पर विचार कीजिए।

13. किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए -

(i) समकालीन कविता की विशेषताएँ

(ii) रमानाथ अवस्थी के गीत

(iii) सोहनलाल द्विवेदी के गीतों की विशेषताएँ

(iv) भवानी प्रसाद मिश्र के गीतों की विशेषताएँ

MAHD–08

June – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

HINDI

(आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा)

Paper : MAHD-08

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'दूसरा तार सप्तक' के कवियों के नाम लिखिए। अज्ञेय के इस सप्तक का प्रकाशन वर्ष क्या है ?

(ii) समकालीन कविता से क्या तात्पर्य है ?

(iii) महाभारत पर आधारित धर्मवीर भारती के काव्य का नाम लिखिए।

(iv) शमशेर बहादुर सिंह की किन्हीं **तीन** रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) नरेश मेहता के 'महाप्रस्थान' की मूल संवेदना क्या है ?

(vi) 'ब्रह्मराक्षस' कविता किसकी रचना है ?

(vii) कुआनों नदी का प्रतीकार्य स्पष्ट कीजिए।

(viii) नवगीत की **चार** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2. मैं रथ का टूटा पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
क्या जाने कब इस
दुरुह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को
अकेले चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाये।

3. भूल-गलती
आज बैठी है, जिरहबख्तर पहनकर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक

आँखें चिलती हैं, नुकीले तेज पत्थर-सी
सब कतारें। बेजुबाँ बेबस सलाम में
अनगिनत खम्भों व मेहराबों-थमें
दरबारे-आम में।

4. पार्थ
या किसी को पुकार कर क्या होगा ?
उर्ध्वता पर पहुँचकर
सारी सामूहिकता
वैयक्तिकता में परिणत हो जाती है।
एक और भी ऊँचाई होती है कृष्णा।
जहाँ यह तन भी
वृक्ष छाल-सा उतार देना पड़ता है
धूमवस्त्रों का परित्याग कर
ताम्रवर्णा अग्नि
जैसे आकाश में यज्ञ वहन करती है,
वैसे ही मन
सम्बन्ध हीन, अबाध यात्रित हो
धर्म वहन करता है।

5. आचार्य नन्दकिशोर के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6. प्रयोगवाद एवं नयी कविता के पार्थक्य-बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए।